DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 April, 2024

कॉर्पोरेट जलवायु उत्तरदायित्व मॉनिटर (CCRM) 2024

संदर्भ: *हाल ही में न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट की CCRM, 2024 रिपोर्ट में 51 प्रमुख वैश्विक कंपनियों के जलवायु लक्ष्यों का मूल्यांकन किया गया है।*

➢ **ब्रिजलवायु लक्ष्य आकलन:**

- कॉर्पोरेट जलवायु उत्तरदायित्व मॉनिटर (CCRM) 2024 ने 51 प्रमुख कंपनियों द्वारा निर्धारित जलवायु लक्ष्यों का मूल्यांकन किया। इन कंपनियों ने 2022 में सामूहिक रूप से 6.1 ट्रिलियन डॉलर का राजस्व अर्जित किया।
- इन कंपनियों ने 2022 में 8.8 गीगाटन CO2 समकक्ष ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन की सूचना दी है।
- यह आंकड़ा सामान्य रूप से भारत, रूस और ब्राज़ील के संयुक्त वार्षिक उत्सर्जन के बराबर है।
- 51 प्रमुख कंपनियों द्वारा किया गया उत्सर्जन 2022 में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का लगभग 16% प्रतिनिधित्व करता है।

➢ **उत्सर्जन में कमी की प्रगति:**

- 2030 के लिए सामूहिक उत्सर्जन कटौती का लक्ष्य 2019 के स्तर की तुलना में केवल 30% है।
- केवल 7 कंपनियों का लक्ष्य 2030 तक उत्सर्जन को 50% से कम करने का है।
- वॉलमार्ट और वोक्सवैगन जैसी कुछ कंपनियों के पास अद्यतन या स्पष्ट उत्सर्जन कटौती योजनाओं का अभी भी अभाव है।
- इसके विपरीत, डैनोन, इबरड्रोला, मार्स और वोल्वो ग्रुप जैसी कंपनियों के पास अपेक्षाकृत मजबूत उत्सर्जन कटौती योजनाएं हैं।

➢ **खामियाँ और जवाबदेही:**

- यह कंपनियां अपने लक्ष्यों को पूरा करने के लिए विवादास्पद समाधानों और कार्बन ऑफसेट पर भरोसा कर सकती हैं।
- वर्तमान में प्रस्तावित स्वैच्छिक कार्बन बाजार पहल और विज्ञान आधारित लक्ष्य पहल कंपनियों को स्कोप 3 उत्सर्जन जवाबदेही को दरकिनार करने के लिए खामियां प्रदान कर सकती है।
- फ्लेक्सिबल (लचीली) ऑफसेटिंग के परीक्षण से यह पता चला है कि यह स्कोप 3 उत्सर्जन के लिए जवाबदेही को समाप्त कर सकता है।

➢ **स्वैच्छिक रिपोर्टिंग पर अत्यधिक निर्भरता:**

- कंपनियों द्वारा निर्धारित जलवायु लक्ष्य स्वैच्छिक हैं और इसे सत्यापन ढांचे द्वारा मूल्यांकन किया जाता है।
- सत्यापन निकायों के उदाहरणों में एसबीटीआई, ट्रांज़िशन पाथवेज़ इनिशिएटिव और एमएससीआई नेट ज़ीरो ट्रैकर इत्यादि सभी शामिल हैं।
- स्वैच्छिक रिपोर्टिंग जलवायु उत्तरदायित्व मॉनिटर के लक्ष्य निर्धारण को प्रोत्साहित करती है, यद्यपि इसमें जवाबदेही तंत्र का अभाव है।
- अतः निजी निगमों से वास्तविक उत्सर्जन में कमी के लिए एक अधिक कठोर जवाबदेही प्रणाली की आवश्यकता है।

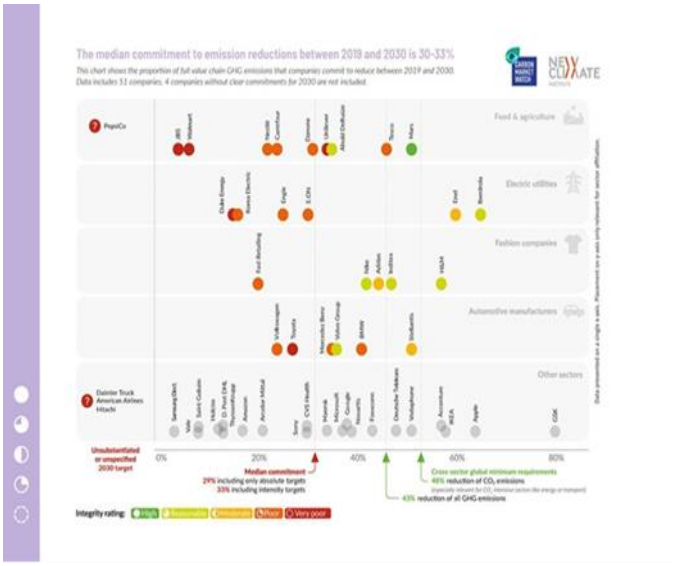

उड़ान ड्यूटी समय सीमा (FDTL) नियम

संदर्भ: *DGCA ने हाल ही में नए उड़ान शुल्क समय सीमा (FDTL) नियमों को लागू करने के लिए भारतीय एयरलाइंस से संपर्क किया है, जो पायलट (विमान चालक) के तनाव और थकान को संबोधित करते हैं।*

➢ **नए FDTL नियमों की पृष्ठभूमि और स्थगन:**

- नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने 1 जून से नए फ्लाइट ड्यूटी टाइम लिमिटेशन (FDTL) नियमों के कार्यान्वयन को स्थगित कर दिया।
- यह निर्णय 22 मार्च को नागरिक उड्डयन मंत्रालय (MoCA) के निर्देशों के बाद लिया गया।
- यह नई कार्यान्वयन तिथि अनिर्दिष्ट है, जिससे एयरलाइंस को अपनी योजनाओं को मंजूरी मिलने तक मौजूदा नियमों का पालन करना जारी रखने की अनुमति मिलती है।

➢ **एयरलाइंस की चिंताएँ और विरोध:**

- वर्तमान में एयरलाइंस ने 20-25% अधिक पायलटों की आवश्यकता और 15-20% क्षमता में संभावित कटौती की चिंताओं के कारण नए नियमों का विरोध किया है।
- फेडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइंस (FIA) ने फरवरी में डीजीसीए को एक पत्र के माध्यम से जनवरी में अधिसूचित नए नियमों को एक साल के लिए स्थगित करने की मांग की थी।

➢ **पायलट असंतोष और कानूनी कार्यवाही:**

- इस समय विमान चालकों (पायलटों) और उनके संगठनों ने स्थगन और नई अनुपालन समय सीमा की कमी पर असंतोष व्यक्त किया है।
- इस सन्दर्भ में दिल्ली उच्च न्यायालय ने डीजीसीए को 8 मई को होने वाली अगली सुनवाई में एक अस्थायी कार्यान्वयन तिथि बताने का निर्देश दिया था।

Face to Face Centres
DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029
dhyeyaias.com

DHYEYA IAS
most trusted since 2003

DAILY pre PARE
Current affairs summary for prelims

12 April, 2024

एफडीटीएल नियमों और पायलट चिंताओं का महत्व:

- उड़ान चालक दल की थकान और तनाव से मानवीय त्रुटियां हो सकती हैं और सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है।
- पायलटों ने विस्तारित उड़ान घंटों, अनियमित रोस्टरिंग और उच्च चालक दल के उपयोग के स्तर के कारण थकान के बारे में चिंता व्यक्त की है।

नए FDTL नियमों का अवलोकन:

- नए नियम पायलटों के लिए अनिवार्य साप्ताहिक आराम अवधि को 36 से बढ़ाकर 48 घंटे कर देते हैं।
- ये नियम "रात" की परिभाषा का विस्तार करके और प्रति दल रात्रि लैंडिंग की संख्या को सीमित करके रात्रि उड़ान को भी कम करते हैं।
- अनुपालन के लिए एयरलाइनों को अधिक पायलटों को नियुक्त करने और प्रशिक्षित करने या संचालन कम करने की आवश्यकता होती है, जिससे उनके व्यवसाय और संचालन पर असर पड़ता है।

भारत में वर्तमान FDTL विनियम:

- डीजीसीए द्वारा 2019 में जारी किए गए वर्तमान एफडीटीएल नियमों में अधिकतम उड़ान ड्यूटी अवधि, अनिवार्य आराम अवधि और रात के संचालन को शेड्यूल करने के लिए दिशानिर्देश शामिल हैं।
- ये नियम अंतर्राष्ट्रीय नागरिक उड्डयन संगठन (आईसीएओ) के मानकों और अमेरिकी संघीय विमानन प्रशासन (एफएए) और यूरोपीय संघ विमानन सुरक्षा एजेंसी (ईएएसए) की प्रथाओं पर आधारित हैं।

जिम्मेदारियाँ और जवाबदेही:

- नए नियम उड़ान चालक दल को निर्धारित सीमाओं से परे या थके हुए होने पर उड़ान संचालित करने से रोकते हैं।
- एयरलाइंस थकान प्रबंधन प्रणालियों को बनाए रखने, प्रशिक्षण प्रदान करने और थकान से संबंधित घटनाओं को संबोधित करने के लिए जिम्मेदार हैं।
- पायलट सीमाओं से अधिक काम करने या थकावट होने पर काम को अस्वीकार करने के लिए स्वयं जवाबदेह हैं।

CDP-SURAKSHA (सुरक्षा)

संदर्भ: *सरकार ने क्लस्टर विकास कार्यक्रम (CDP) के तहत बागवानी किसानों को सब्सिडी वितरित करने के लिए हाल ही में एक मंच सीडीपी-सुरक्षा की शुरुआत की है।*

सीडीपी-सुरक्षा क्या है ?

- क्लस्टर विकास कार्यक्रम सीडीपी-सुरक्षा का लक्ष्य भारत के बागवानी क्षेत्र को बढ़ावा देना है, जो कृषि सकल मूल्यवर्धन (जीवीए) में लगभग एक तिहाई योगदान देता है।
- सीडीपी-सुरक्षा एक डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म है जिसका संक्षिप्त नाम "एकीकृत संसाधन आवंटन, ज्ञान और सुरक्षित बागवानी सहायता प्रणाली" है।
- यह नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (NPCI) से ई-आरयूपीआई वाउचर का उपयोग करके किसानों के बैंक खातों में तत्काल सब्सिडी वितरण को सक्षम बनाता है।
- इन सुविधाओं में पीएम-किसान के साथ डेटाबेस एकीकरण, यूआईडीएआई सत्यापन, ई-आरयूपीआई एकीकरण और जियो-टैगिंग आदि भी शामिल हैं।

सीडीपी-सुरक्षा की कार्यक्षमता:

- किसानों, विक्रेताओं, कार्यान्वयन एजेंसियों (IA) और क्लस्टर विकास एजेंसियों (CDA) के पास इस सुरक्षा मंच तक की व्यापक पहुंच है।
- किसान अपनी आवश्यकताओं के आधार पर रोपण सामग्री का ऑर्डर दे सकते हैं और लागत में अपना हिस्सा भी दे सकते हैं।
- किसान द्वारा भुगतान करने पर एक e-RUPI वाउचर जेनरेट होता है, जिसे विक्रेता को सामग्री की आपूर्ति के लिए प्राप्त होता है।
- किसान डिलीवरी का सत्यापन करते हैं, जिसके बाद आईए विक्रेता को भुगतान जारी करता है।

पिछली प्रणाली से अंतर:

- पुरानी प्रणाली के विपरीत, जहां किसान सामग्री खरीदते थे और फिर सब्सिडी जारी करने की मांग करते थे, सीडीपी-सुरक्षा अग्रिम तौर पर सब्सिडी प्रदान करती है।
- किसानों द्वारा डिलीवरी सत्यापित करने के बाद ही विक्रेताओं को भुगतान मिलता है।

क्लस्टर विकास कार्यक्रम (सीडीपी):

- सीडीपी राष्ट्रीय बागवानी बोर्ड (NHB) की केंद्रीय क्षेत्र योजना का एक घटक है।
- इसका उद्देश्य बागवानी समूहों को विकसित करना, एकीकृत और बाजार आधारित विकास गतिविधियों को बढ़ावा देना है।
- इस कार्यक्रम के तहत अब तक 55 बागवानी समूहों की पहचान की गई है, जिनमें से 12 को पायलट चरण के लिए चुना गया है और अन्य विकास के विभिन्न चरणों में हैं।
- इस पहल में लगभग 9 लाख हेक्टेयर और 10 लाख किसानों को शामिल किया गया है, जिससे अनुमानित 8,250 करोड़ रुपये का निजी निवेश आकर्षित होगा।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

गरुड़ थूक्कम

हाल ही में, केरल के तिरुवनंतपुरम स्थित सरकार देवी मंदिर में श्रद्धालुओं ने 'गरुड़ थूक्कम' में भाग लिया।

गरुड़ थूक्कम के बारे में:

- गरुड़ थूक्कम, जिसे गरुड़ परवा के नाम से भी जाना जाता है, यह एक अनुष्ठान कला है जो भारत के केरल में कुछ काली मंदिरों में होती है।
- यह कला अपनी जीवंत वेशभूषा, टोपी और श्रृंगार के लिए जानी जाती है, जो सामान्य लोगों को राजसी कलाकारों में बदल देती है।
- कलाकार गरुड़, एक चील की तरह पोशाक पहनते हैं और ढोल की थाप पर नाचते हैं।
- इसके बाद कलाकारों की पीठ में हुक चुभोए जाते हैं और देवी के आशीर्वाद के लिए उन्हें मंदिर के चारों ओर घुमाया जाता है।
- इस अनुष्ठान में 18 लयबद्ध पैटर्न शामिल होते हैं और कलाकारों को बैलगाड़ी, नाव या हाथ से खींची गाड़ियों में जुलूस के रूप में ले जाया जाता है।
- यह प्रथा कोट्टायम, अलप्पुझा, एर्नाकुलम और इडुक्की जिलों के भद्रकाली मंदिरों में प्रचलित है।

Face to Face Centres

DELHI MUKHERJEE NAGAR: 9205274741, 42 | LAXMI NAGAR : 9205212500, 9205962002 | RAJENDRA NAGAR: 9205274743 | UTTAR PRADESH PRAYAGRAJ: 0532-2260189, 8853467068 | LUCKNOW (ALIGANJ): 0522-4025825, 9506256789 | LUCKNOW (GOMTI NAGAR): 7234000501, 7234000502 | GREATER NOIDA: 9205336037, 38 | KANPUR: 7887003962, 7897003962 | GORAKHPUR : 7080847474, 9161947474 | ODISHA BHUBANESWAR: 9818244644/7656949029

dhyeyaias.com

ईए-अर्थ एक्शन (EA-Earth Action)

हाल ही में, ईए अर्थ एक्शन ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की जिसमें अनुमान लगाया गया कि 2024 में दुनिया भर में लगभग 220 मिलियन टन प्लास्टिक कचरा उत्पन्न होगा।

ईए-अर्थ एक्शन (EA-Earth Action) के बारे में:

- ईए-अर्थ एक्शन एक स्विस-आधारित अनुसंधान परामर्शदाता है जो प्लास्टिक प्रदूषण संकट से निपटने के लिए समाधान और पहल प्रदान करता है।
- यह संस्था प्लास्टिक ओवरशूट डे रिपोर्ट प्रकाशित करता है जो वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण संकट में महत्वपूर्ण समझ विकसित करता है।
- संगठन प्लास्टिक खपत पैटर्न, अपशिष्ट प्रबंधन क्षमताओं और पर्यावरणीय प्रभावों का आकलन करने के लिए डेटा-संचालित पद्धतियों को नियोजित करता है।
- यह देशों को कुप्रबंधित अपशिष्ट सूचकांक (एमडब्ल्यूआई) के आधार पर वर्गीकृत करता है जो प्लास्टिक उत्पादन और अपशिष्ट प्रबंधन क्षमता के बीच असंतुलन को मापता है।
- ईए के अनुसार, भारत एमडब्ल्यूआई में चौथे स्थान पर है जहां उत्पन्न कचरे का 98.55% कुप्रबंधन होता है।
- भारत उन 12 देशों में से एक है, जिनमें चीन, ब्राजील, इंडोनेशिया, थाईलैंड, रूस, मेक्सिको, संयुक्त राज्य अमेरिका, सऊदी अरब, डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कॉंगो, ईरान और कजाकिस्तान शामिल हैं, जो दुनिया के 52 प्रतिशत गलत तरीके से प्रबंधित प्लास्टिक कचरे के लिए जिम्मेदार हैं।

अंगारा-ए 5

हाल ही में, रूस ने पूर्वी दूर के अमूर क्षेत्र में स्थित वोस्तोचनी कॉस्मोड्रोम से अपने पहले सोवियत-पश्चात अंतरिक्ष रॉकेट, अंगारा-ए5 के परीक्षण प्रक्षेपण के साथ एक महत्वपूर्ण उपलब्धि प्राप्त की।

अंगारा-ए 5 के बारे में

- अंगारा-ए5 एक महत्वपूर्ण अंतरिक्ष रॉकेट है जिसे रूस ने अपने भारी-भरकम प्रक्षेपण यान के रूप में प्रोटॉन एम की जगह लेने के लिए विकसित किया है।
- यह तीन चरणों वाला रॉकेट है जिसका वजन लगभग 773 टन है और यह 24.5 टन तक का पेलोड अंतरिक्ष में ले जा सकता है।
- इसे कम हानिकारक ईंधन और रूस-निर्मित घटकों का उपयोग करते हुए अधिक पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए डिज़ाइन किया गया है।
- अंगारा परियोजना रूस के लिए अत्यंत महत्व की है क्योंकि यह कजाकिस्तान में बैकोनूर कोस्मोड्रोम जैसी विदेशी लॉन्च साइटों पर भरोसा किए बिना अंतरिक्ष तक स्वतंत्र पहुंच सुनिश्चित करती है।

यूराल पर्वत

हाल ही में, एशिया और यूरोप की महाद्वीपीय सीमाओं पर यूराल पहाड़ों में भीषण बाढ़ ने जलवायु परिवर्तन से इसके संबंध के बारे में सवाल खड़े कर दिए हैं।

यूराल पर्वत के बारे में

- यूराल पर्वत यूरोप और एशिया के बीच एक प्राकृतिक सीमा के रूप में कार्य करता है जो आर्कटिक महासागर से यूराल नदी और कजाकिस्तान तक फैला हुआ है।
- इन्हें महत्वपूर्ण भूवैज्ञानिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ दुनिया की सबसे पुरानी पर्वत श्रृंखलाओं में से एक माना जाता है।
- वे सोना, प्लैटिनम और कोयला सहित अपने समृद्ध खनिज भंडार के लिए जाने जाते हैं।
- वे 18वीं शताब्दी से रूस के लिए एक प्रमुख खनिज आधार रहे हैं।
- यह क्षेत्र रूस में धातुकर्म और भारी उद्योग उत्पादन के सबसे बड़े केंद्रों में से एक है।
- इन पर्वतों को पाँच भागों में बाँटा गया है: दक्षिणी, मध्य, उत्तरी, पूर्व-ध्रुवीय (सबसे ऊँचा) और ध्रुवीय।
- उरल्स की औसत ऊंचाई लगभग 1,000-1,300 मीटर (3,300-4,300 फीट) है, उच्चतम बिंदु माउंट नरोदनाया है जो 1,894 मीटर (6,214 फीट) की ऊंचाई तक पहुंचता है।
- वोल्गा और डेन्यूब के बाद यूराल यूरोप की तीसरी सबसे बड़ी नदी है।
- टोबोल इरतीश की एक सहायक नदी है, जो अपना जल ओब में प्रवाहित करती है।
- ओब-इरतीश नदी प्रणाली दुनिया की सातवीं सबसे लंबी नदी प्रणाली है।

सुर्खियों में स्थल

ज़िम्बाब्वे

हाल ही में, अफ्रीकन एकेडमी ऑफ साइंसेज (एएएस) ने बताया कि जिम्बाब्वे के एक वैज्ञानिक ने औद्योगिक गतिविधियों से प्राप्त कार्बन डाइऑक्साइड का उपयोग करके मेथनॉल और अन्य ऊर्जा सामग्री का उत्पादन करने की एक विधि विकसित की है।

ज़िम्बाब्वे (राजधानी: हरारे)

अवस्थिति : जिम्बाब्वे, एक भूमि से घिरा देश दक्षिणी अफ्रीका में स्थित है।

राजनीतिक सीमाएँ: ज़िम्बाब्वे की सीमाएँ मोजाम्बिक (पूर्व), बोत्सवाना (पश्चिम और दक्षिण पश्चिम), जाम्बिया (उत्तर) और दक्षिण अफ्रीका (दक्षिण) से लगती हैं।

भौतिक विशेषताएँ:

- विक्टोरिया फॉल्स, ज़ाम्बिया और ज़िम्बाब्वे के बीच की सीमा पर स्थित ज़ाम्बेज़ी नदी पर दुनिया के सबसे बड़े झरनों में से एक है।
- जिम्बाब्वे ने गोंडवाना के बाद के दो प्रमुख कटाव चक्रों का अनुभव किया है (जिन्हें अफ्रीकी और उत्तर-अफ्रीकी के रूप में जाना जाता है)।
- जिम्बाब्वे में उपोष्णकटिबंधीय प्रकार की जलवायु पाई जाती है।

POINTS TO PONDER

- ईए अर्थ एक्शन की प्लास्टिक ओवरशूट डे रिपोर्ट के अनुसार वैश्विक कुप्रबंधित प्लास्टिक कचरे में शीर्ष पांच योगदानकर्ताओं के रूप में किन देशों की पहचान की गई है? – **चीन, अमेरिका, भारत, ब्राजील और मैक्सिको**
- वोल्गा और डेन्यूब के बाद यूरोप में कौन सी नदी तीसरी सबसे बड़ी नदी है? – **यूराल**
- आईआईटी बॉम्बे ने हाल ही में इंजीनियरिंग और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में 2024 के लिए विषय के आधार पर क्वाक्वेरेली साइमंड्स (क्यूएस) वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में कौन सा स्थान हासिल किया है?
- **– 100 में से 79.1 के समग्र स्कोर के साथ 45वें स्थान पर**
- भारतीय संविधान का कौन सा अनुच्छेद मोटे तौर पर उपचारात्मक याचिका की अवधारणा का समर्थन करता है? – **अनुच्छेद 137**
- भारत के किस अस्पताल ने हाल ही में सफल पीजोइलेक्ट्रिक बोन कंडक्शन हियरिंग इम्प्लांट्स (बीसीआई) आयोजित करने की उपलब्धि हासिल की है? – **कमांड हॉस्पिटल, पुणे**